सभी प्रकार की सरकारी सहायताओं से मुक्त, खोजी पत्रकारिता का तेज बढ़ता अखबार

दैनिक

themovementofindia.in

द मूवमेंट ऑफ़ इंडिया

RNI No. RAJHIN/2012/48876
पोस्टल पंजीयन नं. भीलवाड़ा / 2025-2027

खोजी खबरें-तेज नजरें

प्रेरणा स्रोत - स्व. चुन्नीलाल सालवी

ये अखबार ही नहीं क्रांति का अभियान है। मानवता एवं लोकतंत्र का सजग प्रहरी, ये दुष्टों की मौत का सामान है।

वर्ष - 14 अंक -42 | 07 अगस्त 2025,गुरुवार | संपादक - दयाराम दिव्य | सहसंपादक - चाहत सालवी | मूल्य - 2 रू.

20 फीट तक महिला को घसीटते ले गया बेकाबू ट्रक:पेड़ और ट्रक के बीच फंसा शव

द मूवमेंट ऑफ इंडिया

सड़क किनारे बस का इंतजार कर रही एक महिला को तेज रफ्तार ट्रक ने टक्कर मार दी। ट्रक महिला को 20 फीट घसीटते हुए पेड़ से जा टकराया। हादसे में महिला शव पेड़ और ट्रक बीच फंस गया। सूचना पर पहुंची पुलिस ने क्रेन की मदद से 30 मिनट में शव को बाहर निकाला। मामला सीकर जिले के पाटन थाना क्षेत्र का है।

पाटन थानाधिकारी विक्रम सिंह ने बताया-थाना क्षेत्र के राजपुरा गांव निवासी गीता देवी (47) सुबह 9 बजे राजपुरा के नहर वाले बस स्टैंड पर पाटन जाने के लिए बस का इंतजार कर रही थी। इस दौरान कोटपूतली से पाटन की ओर जा रहा एक ट्रक ने महिला को चपेट में ले लिया और घसीटते हुए 20 फीट दूर स्थित एक पेड़ से जा टकराया। महिला पेड़ और ट्रक के बीच बुरी तरह से फंस गई। सूचना पर पहुंची पाटन पुलिस ने मौके पर क्रेन बुलाकर 30 मिनट की मशक्कत के बाद महिला को बाहर निकाला और पाटन अस्पताल पहुंचाया। जहां डॉक्टरों ने उसे मृत घोषित कर दिया।

ड्राइवर को अस्पताल में कराया भर्ती

पुलिस ने बताया-हादसे में ट्रक ड्राइवर चावंड सिंह निवासी भीलवाड़ा के सिर और चेहरे पर चोट आई है। उसका पाटन अस्पताल में इलाज चल रहा है। हादसे के समय ड्राइवर नशे में था, अस्पताल में उसका मेडिकल भी कराया है।

10 साल पहले पति का हो चुका है निधन

राजपुरा निवासी पवन यादव ने बताया-गीता देवी के पति का 10 साल पहले निधन हो चुका है। उसका एक बेटा सोनू (27) है। वह ट्रैक्टर चलाता है। पवन ने बताया कि गीता देवी रक्षाबंधन के त्योहार को लेकर सामान खरीदने पाटन बाजार जा रहीं थी।गीता देवी के पड़ोसी चंद्रभान ने बताया-हरियाणा के महेंद्रगढ़ में गीता देवी का पीहर है। वह हर साल अपने भाई को राखी बांधने के लिए वहां जाती थीं। महेंद्रगढ़ में उनके दो भाई रहते थे। जिसमें से एक की मौत हो चुकी है। गीता देवी मनरेगा में काम करतीं थीं।

पाटन थाना अधिकारी विक्रम सिंह ने बताया-शव का पोस्टमॉर्टम कराकर परिजनों को सौंप दिया है। महिला के बेटे ने थाने में रिपोर्ट दी है। ट्रक को जब्त कर आगे की कार्रवाई की जा रही है।

स्टूडेंट्स की तिरंगा रैली में सांडों का हमला:बाजार में बच्चों के बीच से भागते हुए निकले

द मूवमेंट ऑफ इंडिया

स्वतंत्रता दिवस की तैयारी को लेकर निकाली जा रही तिरंगा यात्रा पर दो सांडों ने हमला कर दिया। सांड बाजार में बच्चों के बीच में से भागते हुए निकले। घटना में 15 स्टूडेंट घायल हुए है, इनमें से चार के पैर में फ्रैक्चर आया है।घटना नागौर के मेड़ता के रैण कस्बे की सुबह 11 बजे की है। पीएम श्री राजकीय उच्च माध्यमिक स्कूल रेण के प्रिंसिपल ब्रज अजनबी ने बताया-उनके स्कूल के कक्षा 6 से 12वीं के स्टूडेंट्स स्वतंत्रता दिवस की तैयारी को लेकर तिरंगा रैली निकाल रहे थे। रैली मुख्य बाजार में पहुंची तो अचानक दो सांडों ने हमला कर दिया। स्कूल स्टाफ ने बच्चों को बचाने का प्रयास भी किया।

अचानक मची भगदड़ की वजह से बच्चे एक दूसरे के ऊपर गिर गए। मौके पर मौजूद लोग घायल हुए बच्चों को तुरंत रेण के सामुदायिक स्वास्थ्य केंद्र लेकर पहुंचे। यहां चिकित्सा प्रभारी डॉक्टर महेंद्र बिश्नोई और उनकी टीम ने घायल स्टूडेंट्स का उपचार शुरू किया। इनमें से चार के पैर में फैक्चर होने से उन्हें उपचार के लिए मेड़ता उप जिला अस्पताल रेफर किया गया है। ये हुए घायल

सांडों के हमले से अनुष्का, विनीता, आयुषी, सोनिया, मनीषा, बिंदिया, शबाना, कांता, प्रियंका, अंकिता और इमरान, सुमित के अलावा तीन और बच्चे घायल हुए है। इनमें से विनीता (14), बिंदिया (15), मनीषा (14) और एक अन्य बच्चे के पैर में फ्रैक्चर आने से मेड़ता रेफर किया गया।

अधिकारी पहुंचे मौके पर

घटना की सूचना मिलने पर मुख्य ब्लॉक चिकित्सा अधिकारी डॉक्टर आरके तंवर, अतिरिक्त मुख्य ब्लॉक शिक्षा अधिकारी श्रीराम खोजा, रामधाम देवल रेन के पीठाधीश्वर सज्जन राम महाराज मौके पर पहुंचे। वही बड़ी संख्या में ग्रामीणों की भीड़ भी रेण के सरकारी अस्पताल में इकट्ठा हो गई।

कोटा में बाप-बेटे और दामाद की गैंग गिरफ्तार, घर में घुसकर करते थे चोरियां, जानिए कैसे?

द मूवमेंट ऑफ इंडिया

राजस्थान के कोटा से एक अंतरराज्यीय गैंग का पर्दाफाश हुआ है। ये गैंग घर में घुसकर चोरी की वादरात को अंजाम देती थी। पुलिस ने गिरोह के सदस्य, बाप-बेटे और 2 दामाद को गिरफ्तार किया है। उनके कब्जे से 31 तोला सोना और 1 किलो चांदी जब्त हुई है। ये गैंग कोटा के अलावा जयपुर, दिल्ली, महाराष्ट्र, मध्य प्रदेश जैसे तमाम जगहों पर चोरी की वारदात को अंजाम दे चुके हैं।

पुलिस अधीक्षक तेजस्वनी गौतम ने बताया कि मोहन सिंह नामक व्यक्ति द्वारा दी गई शिकायत में इस गिरोह के बारे में जानकारी सामने आई है। मोहन सिंह ने शिकायत में बताया कि उनके घर के सामने से चाबी बनाने वाले दो लोग निकल रहे थे। मोहन सिंह की पत्नी गीता ने उन्हें अलमारी की चाबी बनवाने के लिए बुलाया। चाबी बनाने वाले ने चाबी बनाकर दी और कहा कि 2 घंटे तक अलमारी को मत खोलना। करीब 3 घंटे बाद मोहन सिंह ने अलमारी खोली तो अलमारी के अंदर से सोने-चांदी के करीब 11 लाख रुपए के जेवरात चोरी हो गए। मोहन सिंह ने इसके बाद पुलिस में शिकायत दर्ज कराई। शिकायत के आधार पर पुलिस ने घर के आस-पास के सीसीटीवी कैमरों को खंगालना शुरू किया। आरोपियों को कोटा, बूंदी, सवाई माधोपुर, टोंक, जयपुर, भीलवाड़ा, चित्तौड़गढ़, उदयपुर, झालावाड़, इंदौर मध्य प्रदेश और भी कई स्थानों पर तलाश की।

पुलिस द्वारा चलाई गई तलाशी अभियान में लखन सिंह उर्फ हरपाल सिंह व गुरु दयाल सिंह को उदयपुर, आरोपी गोपी सिंह औश्र दिलीप सिंह उर्फ लकी को इंदौर मध्य प्रदेश से गिरफ्तार किया गया है। पूछताछ करने पर इस गैंग ने कोटा शहर के अलावा जयपुर, दिल्ली, महाराष्ट्र, मध्य प्रदेश के विभिन्न क्षेत्रों में वारदातें करना स्वीकार किया। वहीं आरोपियों की निशानदेही पर उदयपुर में लखन सिंह के घर पर छुपाए हुए चोरी के लगभग 31 तोला सोना और 1.40 किलोग्राम

बीकानेर में पति ने खुद का गला काटा, मौत:पत्नी से लड़ाई के बीच किचन से चाकू लेकर आया था

द मूवमेंट ऑफ इंडिया

बीकानेर में बुधवार की रात पति-पत्नी के बीच झगड़े में पति ने चाकू से गला काटकर सुसाइड कर लिया। उसको बचाने की कोशिश में पत्नी और छोटा भाई गंभीर रूप से घायल हो गए। घटना कमला कॉलोनी क्षेत्र की है।

रोज होता था झगड़ा

एएसपी सौरभ तिवाड़ी ने बताया-कमला कॉलोनी में रहने वाले सन्नी पंवार (42) और उसकी पत्नी ममता पंवार के बीच रात करीब साढ़े 9 बजे झगड़ा हो गया था।

पहले दोनों के बीच झगड़ा सिर्फ बोल-चाल तक सीमित रहता था। करीब-करीब रोज ही लड़ते थे। बुधवार झगड़ा बढ़ गया। गुस्से में सन्नी किचन में गया और वहां से सब्जी काटने वाला चाकू ले आया। एएसपी ने बताया कि सन्नी (मृतक) की पत्नी ममता ने बयान दिया है कि पति ने सुसाइड किया है। रोकने की कोशिश में वो भी घायल हो गई। विवाद के बीच सन्नी का भाई जीतू भी आ गया। तीनों के बीच झगड़ा और बीच-बचाव चल रहा था। इसी दौरान सन्नी ने चाकू से गला काट लिया और वो वहीं ढेर हो गया। इसी दौरान ममता और जीतू भी गंभीर रूप से घायल हो गए। सन्नी को तुरंत एक प्राइवेट हॉस्पिटल में ले जाया गया। यहां से पीबीएम अस्पताल के लिए रेफर किया। वहां पर उसे मृत घोषित कर दिया गया।

C M Y K

सम्पादकीय

आपदाओं से जूझता उत्तराखंड

उत्तरकाशी जिले के धराली में भीषण बाढ़ आने से खीरगंगा नदी उफान पर आ गई और पहाड़ी इलाकों में टनों मलबा नदी किनारे आ गया। इससे व्यापक जनधन हानि हुई। अभी इसका आकलन करना कठिन है कि यह हानि कितनी बड़ी है। यह ध्यान रहे कि 5 अगस्त को ही कुछ और स्थानों पर बादल फटने से तबाही हुई। इनमें पर्यटन स्थल हर्षिल भी है। तबाही इसलिए ज्यादा हुई, क्योंकि नियम-कानूनों की अनदेखी कर तमाम निर्माण कर लिए गए थे। धराली में सड़कें, इमारतें और दुकानें डूब गईं। हिमालय, टेक्टोनिक रूप से सक्रिय दुनिया की सबसे युवा और सबसे नाजुक पर्वत प्रणाली है। यह क्षेत्र उच्च ढाल और अनिश्चित मौसम के कारण कई उच्च पर्वतीय खतरों से ग्रस्त है। भूकंप और अचानक बाढ़, चट्टान गिरने सहित विभिन्न प्रकार के भूस्खलन, मलबा प्रवाह और हिमनद झील विस्फोट बाढ़ जैसी प्रक्रियाएं हिमालय में सबसे आम खतरे हैं। इनसे मानव जीवन और बुनियादी ढांचे को भारी नुकसान होता है। मानसून (जून से सितंबर) के दौरान अत्यधिक वर्षा के कारण अचानक बाढ़ और भूस्खलन जैसी प्राकृतिक आपदाएं आमतौर पर होती रहती हैं। अध्ययनों के अनुसार, हाल के दशकों में हिमालय में ऐसी आपदाओं की संख्या और आवृत्ति में वृद्धि हुई है। हिमालय के ग्लेशियरों के तेजी से पिघलने और इन क्षेत्रों में (3000 मीटर से ऊपर) भारी वर्षा के कारण आसपास की ढलानें और हिमनद (ग्लेशियर) अस्थिर हो जाते हैं। हिमनद से बनी कई झीलें और फैलती हैं, जिससे खतरे बढ़ते हैं। हाल में, पृथ्वी विज्ञानियों और नीति निर्माताओं ने लगातार गर्म दिनों और भारी वर्षा जैसी घटनाओं पर ध्यान केंद्रित किया है, ताकि उनके कारणों और परिणामों को समझा जा सके।

प्रधान संपादक - दयाराम दिव्य

पांखड की विषमता ने भारत की मुल आत्मा को जहरीला कर दिया

द मूवमेंट ऑफ इंडिया
दयाराम दिव्य

ये कैसी विडम्बना,,,,हम दलित वंचित पिछडे कैसे हो गये।तीन सौ वर्ष तक भारत के बड़े भूभाग पर राज करने वाले होलकर की जाति से आने वाले धनगर और सिंधिया के कुनबे वाले आज पिछड़े हैं।

वहीं उन महाराजा विक्रमादित्य हेमराज तेली के वंशज आज पिछड़े हैं जिन्होंने अखंड भारत पर राज किया..!

वह मौर्य साम्राज्य आज पिछड़ा/दलित है, जिनके वंशजों ने पीढ़ियों तक बंगाल की खाड़ी से लेकर पर्शिया की सीमा तक अखंड भारतवर्ष पर राज किया।

महापद्मनंद और धनानंद का वंशज नाई समुदाय आज पिछड़ा है। जो भारत के सबसे शक्तिशाली राजे होते थे !

हिंदुओं के सबसे पवित्र ग्रंथ रामायण के रचियता और श्री राम की अर्धांगिनी माता सीता को अपने आश्रम में शरण देने वाले, श्री राम के पुत्रों लव कुश का पालन पोषण और उनको शिक्षित करने वाले महर्षि वाल्मीकि के वंशज आज अछूत कैसे हो गए या हो सकते हैं!

महर्षि वेद व्यास की माता व मछुआरा समुदाय से आने वाली रानी सत्यवती के वंशज भी आज पिछड़े हैं। जिनके बच्चे हस्तिनापुर पर राज करने वाले कौरव और पांडव अखंड भारत के सबसे महान योद्धा और चक्रवर्ती सम्राट थे।

उस आदिवासी कन्या शकुंतला का समुदाय भी आज अनुसूचित जनजाति में काउंट होता है जिनके पुत्र ÷भरत÷ के नाम पर इस देश का नाम भारत पड़ा।

महर्षि वेद व्यास, महर्षि वाल्मीकि, आचार्य विदुर, सम्राट चंद्रगुप्त, सम्राट अशोक जैसे और भी अनेका अनेक उदाहरण हैं.... जिनके वंशज/स्वजातीय लोग आज स्वयं को अनुसूचित जाति, अनुसूचित जनजाति और पिछड़ा वर्ग का बताकर अपने साथ शोषण, दमन और अत्याचार हुआ बताते हैं।

अब सवाल ये उठता है कि...

क्या इतने लंबे समय तक राज करने वाले इन वर्गों के राजाओं ने अपनी ही जात, बिरादरी वालों पर स्वयं ही अत्याचार किया/होने दिया या उन को पढ़ने/बढ़ने नही दिया !! उन्हें हजारो वर्षों से अनपढ़, गंवार व शोषित बनाये रखा !!

भगवान कृष्ण के वंशज होने का दावा करने वाले, आज भी बड़ी बड़ी जमीन जायदाद वाले, हर तरह से संपन्न यदुवंशी अंततः पिछड़े कैसे हो गए !!

मध्य काल में बहराइच से नेपाल तक बड़े भूभाग पर राज करने वाले पासी आखिर दलित कैसे हो गए !!

मध्यकाल में प्रसिद्ध पाल वंशी राजाओं के वंशज कैसे पिछड़े हो गए !!

इतिहास में चंवर वंशी राजाओं का जिक्र है जो आज दलित कहे जाते हैं।

गौर, गुर्जर, मीणा, जाट, वर्मा, गोंड आदि वर्ग के राजा सब बड़े लम्बे समय तक शासक रहे हैं। देश के इतिहास में इनकी छाप है। लेकिन ऐसा क्या हुआ कि मुगल आक्रांताओं के शासन काल व उसके बाद अंग्रेजी शासन काल की गुलामी के बाद ये सारे वर्ग विभाजित होकर वंचित, शोषित और पीड़ित कहलाने लगे.... क्या किसी ने यह विचार किया कि कहीं विदेशी आक्रांताओं ने ही हिंदू सनातन समाज में फूट डालने के लिए ये अंकुरण तो नहीं किया?

परतंत्रता से निकलने के बाद भी विभाजन की दोधारी तलवार से समस्त हिंदु समाज को काटने की रणनीति के चलते ही उन्नीस सौ सैंतालिस के बाद इस विभाजन को और गहरा ही किया गया !!

अन्यथा यह कैसे संभव है कि तुम लंबे समय तक राज भी करो और विदेशी नेक्सस के फैलाए जाल में फंसकर विक्टिज़्म भी बन जाओ... और राजा बनने के बाद भी क्या आपके स्वजातीय राजा अपनी जात/बिरादरी के साथ ऐसा ही करते रहे कि वो अनपढ़/गंवार/मूर्ख/पिछड़ा/दबा/कुचला ही बना रहे !!

सैकड़ों वर्षों तक अखंड भारत पर राज करने के बाद भी तुम अपनी जाति का उद्धार नहीं कर सके तो इसमें दोष ब्राह्मण और हिन्दू धर्मशास्त्र को क्यों देते हो !!

एक बार स्वयं की ओर झांक कर भी देखो..!

हर सनातनी लेख को शेयर अवश्य करें जिससे सभी को सनातनियों के गौरवशाली इतिहास का बोध हो और विधर्मियों द्वारा हमें आपस लड़वाने का जो कृत्य सदियों से चला आ रहा है उस पर पूर्ण विराम लग सके

मुगलों द्वारा 800 साल तक लगातार हिंदुस्तान पर राज्य किए जाने के बाद भी मुसलमान अल्पसंख्यक की बना हुआ है जबकि जैन फारसी, सिंधी, सिख जो असली अल्पसंख्यक है उनके द्वारा ना कभी किसी प्रकार की मांग करी गई और ना ही अल्पसंख्यक आयोग का गठन करके हिंदुओं का शोषण नहीं किया गया ।

गंगापुर चौराहे पर धूल-मिट्टी और गंदगी से बढ़ी बीमारियाँ, स्थानीय लोग परेशान

द मूवमेंट ऑफ इंडिया

शहर के प्रमुख व व्यस्ततम क्षेत्रों में से एक गंगापुर चौराहा, जो कि भीलवाड़ा रोड से जुड़ा हुआ है, इन दिनों गंभीर स्वच्छता संकट से गुजर रहा है। सड़क किनारे जमा बड़े-बड़े गड्ढे, उड़ती धूल-मिट्टी, और खुले में फैली गंदगी ने स्थानीय नागरिकों की सेहत को बुरी तरह प्रभावित करना शुरू कर दिया है। पुर रोड़ मानसिंहका बिल्डिंग और आसपास के कॉम्प्लेक्सों में कार्यरत लोग तथा राहगीर खांसी, जुकाम, सांस लेने में तकलीफ और नाक बंद जैसी श्वास संबंधी समस्याओं से परेशान हैं।

स्थानीय निवासी एंव समाजसेवी श्री घेवरचंद जोशी ने बताया —

> ÷रोड पर लगातार उड़ती धूल और गड्ढों से निकलती गंदगी के कारण रोज़मर्रा का जीवन दूभर हो गया है। बच्चे, बुजुर्ग और ऑफिस जाने वाले कर्मचारी सबसे ज्यादा प्रभावित हो रहे हैं।

प्रशासन की अनदेखी, जनता में नाराज़गी

चौंकाने वाली बात यह है कि पूरे दिन में कई बार आला अधिकारियों की गाड़ियाँ इसी रोड से गुजरती हैं, लेकिन फिर भी किसी का ध्यान इस ओर नहीं गया। गंगापुर चौराहा से लेकर मानसिंगका बिल्डिंग तक के पूरे मार्ग पर क्रेशर गिट्टी डालने के कारण इतनी मिट्टी उड़ रही है कि मकान के बाहर खड़ा रहना भी मुश्किल हो गया है। धूल-मिट्टी घरों और दुकानों के अंदर तक जा रही है, जिससे नागरिकों को भारी असुविधा हो रही है।

नागरिकों की माँग और चेतावनी

स्थानीय लोगों की मांग है कि समस्या का तत्काल समाधान किया जाए।

मुख्य माँगें -

सड़क की मरम्मत की जाए

नियमित सफाई की व्यवस्था हो

धूल को नियंत्रित करने के लिए पानी का छिड़काव किया जाए

स्थानीय लोगों ने चेतावनी दी है कि यदि जल्द कोई ठोस कार्रवाई नहीं की गई, तो वे जवाबदेही तय करने के लिए आंदोलन का रास्ता अपनाने को मजबूर होंगे।

विधायक बैरवा ने मुख्यमंत्री से मुलाकात कर शाहपुरा को पुनः जिला बनवाने की मांग की

द मूवमेंट ऑफ इंडिया
शाहपुरा राजेन्द्र खटीक।

शाहपुरा-स्थानीय विधायक डॉक्टर लालाराम बैरवा ने राज्य के मुख्यमंत्री भजनलाल शर्मा से मुलाकात की तथा उन्हें शाहपुरा जिला की समाप्ति के पश्चात जिले के पुनः सीमांकन करवाने तथा वापस जिला बनाए जाने की मांग की। जिस पर मुख्यमंत्री द्वारा सकारात्मक आश्वासन दिया गया। उन्होंने बताया कि विधानसभा के विकास के लिए डीएमएफटी फंड के जीसी 12 के कार्यों की वित्तीय स्वीकृति प्रदान करने के लिए भी आग्रह किया जिस पर उन्होंने जल्दी ही स्वीकृति प्रदान करने के लिए आश्वस्त किया । विधायक डॉक्टर बैरवा ने बजट घोषणाओं के लिए कार्य की प्रगति व क्षेत्र के अन्य विकास की योजनाओं पर भी चर्चा की साथ ही सांगानेर से भीलवाड़ा तक बनने वाले हाईवे के संबंध में भी उन्होंने वार्ता कर शीघ्र ही हाईवे बनाए जाने की मांग की।

रेलवे कॉलोनी में अजाक की बैठक प्रवक्ता प्रदीप विमल का स्वागत

द मूवमेंट ऑफ इंडिया

डॉ आम्बेडकर अनुसूचित जाति अधिकारी कर्मचारी एसोसिएशन (अजाक) जोधपुर शहर के नए प्रवक्ता प्रदीप विमल का अजाक पदाधिकारियों एवं कई अन्य सामाजिक कार्यकर्ताओं द्वारा भव्य स्वागत किया गया। बुधवार 6 अगस्त 2025 को रेल्वे कॉलोनी रातानाडा में आयोजित स्वागत कार्यकम में अजाक पदाधिकारियों के साथ बन स्टेप फॉर सक्सेज फैमिली रेलवे के कई कार्यकर्ता भी शामिल हुए। अजाक राजस्थान के उपाध्यक्ष एवं जोधपुर संभाग प्रभारी बसन्त रोयल के नेतृत्व में आयोजित स्वागत कार्यकम में प्रदीप विमल का एवं रेलवे में पदोन्नत हुए कई अधिकारियों का भी सम्मान किया गया। अजाक जोधपुर के जिलाध्यक्ष भंवरलाल बुगालिया ने प्रदीप विमल का साफा पहनाकर, वरिष्ठ उपाध्यक्ष देवीलाल चौहान ने बुका भेंट कर एवं महासचिव अमरचंद रावल ने भीम पट्टी पहनाकर अभिनंदन किया। समता सैनिक दल की राष्ट्रीय महासचिव कमला बौद्ध ने गौतम बुद्ध की प्रतिमा भेंट कर आशीर्वाद दिया। तत्पश्चात सभी अजाक पदाधिकारियों ने प्रदीप विमल का माल्यार्पण किया । इस क्रम में अजाक पदाधिकारियों एवं अन्य सभी कार्यकर्ताओं ने प्रदीप विमल को फूलमालाओं से लाद दिया। बन स्टेप फॉर सक्सेज फैमिली के पदोन्नत हुए अधिकारियों का भी माल्यार्पण कर व मोमेंटो देकर सम्मान किया गया। कार्यक्रम को सम्बोधित करते हुए अजाक राजस्थान के उपाध्यक्ष बसन्त रोयल ने प्रदीप विमल को समाज हित एवं मिशनरी कार्यों को समर्पित व्यक्तित्व बताया तथा उन्हें जिला प्रवक्ता चुने जाने पर बधाई दी। अजाक जोधपुर के जिलाध्यक्ष भंवरलाल बुगालिया ने जिला कार्यकारिणी के मुख्य पदाधिकारियों का परिचय कराया। वरिष्ठ अध्यापक देवीलाल चौहान ने रेलवे कार्मिकों एवं अन्य कार्यकर्ताओं से अजाक में शामिल होकर संगठन की मजबूती के लिए कार्य करने का आह्वान किया। महासचिव अमरचंद रावल ने अधिकाधिक अधिकारियों कर्मचारियों को अजाक में शामिल होने का आग्रह किया। समता सैनिक दल की राष्ट्रीय महासचिव कमला बौद्ध ने प्रदीप विमल की नियुक्ति को सही कदम बताया, उन्होंने समाज हित और विकास में अजाक के कार्यों की सराहना की। साथ ही उन्होंने अजाक में महिलाओं की भागीदारी बढ़ाने की आवश्यकता पर बल दिया । वन स्टेप फॉर सक्सेज फैमिली के कार्यकर्ताओं ने प्रदीप विमल के चयन पर खुशी जताई तथा इसको सही ओर न्याय संगत कदम बताया है ।नव नियुक्त प्रवक्ता प्रदीप विमल ने अपनी नियुक्ति को पद से ज्यादा जिम्मेवारी समझ कर कार्य करते हुए अपेक्षाओं पर खरा उतरने का प्रयास करते रहने का संकल्प किया । उन्होंने कार्यक्रम में शामिल हुए सभी शिक्षाविद् को मिठाई खिलाकर आभार व्यक्त किया तथा सभी का धन्यवाद ज्ञापित किया।

मंगरोप थाना पुलिस की सख्त कार्रवाई: हिस्ट्रीशीटर की गांव में बिंदोरी, अपराधियों में मचा हड़कंप

द मूवमेंट ऑफ इंडिया

मुकेश खटीक

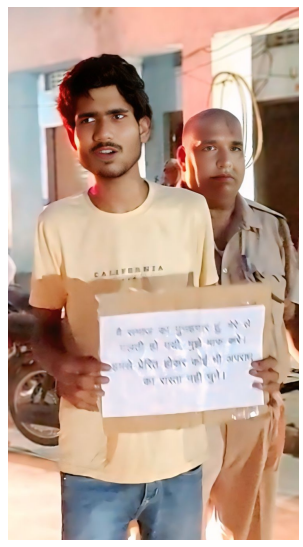

मंगरोप। मंगरोप थाना पुलिस ने बुधवार देर रात कुख्यात हिस्ट्रीशीटर रवि दमामी को गिरफ्तार कर उसके गांव में बिंदोरी निकालते हुए अपराधियों में कानून का खौफ पैदा कर दिया।पुलिस की इस सख्त कार्रवाई से पूरे क्षेत्र में चर्चा का माहौल बन गया है और अपराधियों में हड़कंप मच गया है।थाना प्रभारी विजय मीणा ने बताया कि रवि दमामी जानलेवा हमला, अपहरण सहित कई गंभीर आपराधिक मामलों में वांछित चल रहा था। करीब डेढ़ माह पूर्व उसने कस्बे में शराब ठेके के पास हुए विवाद के दौरान युवक राहुल खटीक पर चाकू से जानलेवा हमला कर उसे गंभीर रूप से घायल कर दिया था।घटना के बाद से वह फरार था।पुलिस ने लगातार दबिश देकर डुह्वस्नद्ध2डुह्व को रवि दमामी को धर दबोचा।इसके बाद पुलिस ने उसे गांव में बिंदोरी निकालकर सार्वजनिक रूप से पेश किया,जिससे अपराधियों को कड़ा संदेश दिया जा सके।थाना प्रभारी विजय मीणा ने स्पष्ट चेतावनी दी कि:क्षेत्र में अपराधियों के लिए कोई रियायत नहीं बरती जाएगी। कानून से खिलवाड़ करने वालों को कड़ी कार्रवाई का सामना करना पड़ेगा।ग्रामीणों ने पुलिस की इस कार्रवाई की खुलकर सराहना की और कहा कि इससे अपराधियों के मनोबल पर अंकुश लगेगा। पुलिस की तत्परता से लोगों में राहत और सुरक्षा का माहौल है।इस कार्रवाई से साफ है कि मंगरोप पुलिस अपराधियों पर शिकंजा कसने के लिए पूरी तरह मुस्तैद है।

शिक्षक संघ (सियाराम) के प्रान्तव्यापी आंदोलन के तहत शिक्षकों ने किया कलेक्ट्रेट पर प्रदर्शन

द मूवमेंट ऑफ इंडिया

भीलवाड़ा । शिक्षकों के सभी केडर की विभिन्न मांगों पर शिक्षा मंत्रालय, राजस्थान सरकार द्वारा की गई वादा खिलाफी को लेकर राजस्थान शिक्षक संघ (सियाराम) द्वारा चलाए जा रहे प्रांतव्यापी आंदोलन के तहत जिला कलेक्ट्रेट पर विशाल प्रदर्शन कर जिला कलेक्टर को मुख्यमंत्री के नाम ज्ञापन दिया । आंदोलन के प्रदेश पर्यवेक्षक भारती झा ने बताया कि शिक्षा विभाग में राज्य सरकार द्वारा पूर्व में संगठन को शिक्षकों की विभिन्न मांगों पर विस्तृत वार्ता करने का लिखित आश्वासन दिया था, लेकिन शिक्षकों की विभिन्न मांगों पर सकारात्मक रुख नहीं रखते हुए वादा खिलाफी की है। इस वादा खिलाफी को लेकर संगठन द्वारा प्रांतव्यापी आंदोलन चलाया जा रहा है। इसी के तहत आज राजस्थान का प्रत्येक जिला मुख्यालय पर प्रदर्शन कर ज्ञापन दिया गया ।

संगठन के जिलाध्यक्ष राजेंद्र कुमार शर्मा ने बताया कि आंदोलन के दूसरे चरण के तहत शिक्षा मंत्री के विधानसभा क्षेत्र रामगंजमंडी, कोटा में 24 अगस्त को विशाल शिक्षक रैली का आयोजन किया जाएगा। इस शिक्षक रैली में संपूर्ण राज्य के सभी जिलों के शिक्षक भाग लेकर आक्रोश व्यक्त करेंगे। संगठन के जिला मंत्री महेश मंडोवरा के अनुसार संगठन के 26 सूत्रीय मांग पत्र में शिक्षक स्थानांतरण नीति बनाकर तृतीय श्रेणी शिक्षकों के स्थानान्तरण करने,तृतीय श्रेणी शिक्षक पदोन्नति करने,

सभी केडर की वेतन विसंगति दूर करने,पुरानी पेंशन योजना पूर्ण रूप से लागू करने, प्रतिवर्ष 1 जुलाई से पूर्व सभी विद्यालय भवनों का निरीक्षण करवाकर सार्वजनिक निर्माण विभाग द्वारा भवन सुरक्षा प्रमाण पत्र अनिवार्य रूप से जारी करने, व्यावसायिक शिक्षकों को नियमित करने,

अध्यापक,वरिष्ठ अध्यापक, व्याख्याता, उप-प्राचार्य, प्रधानाचार्य को संपूर्ण सेवा काल में कुल चार एसीपी परिलाभ 7-14-21-28 वर्ष पूर्ण करने पर देने,कंप्यूटर अनुदेशक का कैडर रिव्यू कर इनका पदनाम कंप्यूटर शिक्षक करने,प्रबोधक का पदनाम अध्यापक करने,रविवार को प्रतियोगी परीक्षा में कार्य करने की एवज में क्षतिपूर्ति अवकाश देने पीईईओ को हार्ड ड्यूटी अलाउंस देने,शिक्षकों को बीएलओ ड्यूटी से पूर्णतया मुक्त करने,शिक्षकों को ग्रामीण भत्ता देने सहित शिक्षकों के सभी कैडर की कई प्रमुख मांगे शामिल है। आज के विशाल प्रदर्शन में राजीव पिल्लई, शिवराज झंवर,अजय कुमार जैन, अनिल कुमार आसोपा,सत्यनारायण खटीक, सुमित कुमार मुरारी, नीलम सिन्हा,परिधि सैनी,सुशीला बघेरवाल,आशा डीडवानिया,शारदा विश्नोई,सुनील डीडवानिया,सारिका चतुर्वेदी,उबैदुल्ला गाजी खान,मुकेश कुमार शर्मा, वीरेंद्र चतुर्वेदी,नरेंद्र टेलर, राधेश्याम सुथार,लादूराम दाधीच, संजीव मेहता,महिपाल सिंह,मोहसिन अली काजी,चंद्रप्रकाश कुमावत, जगदीश खटीक,नारायण बिश्नोई, सत्यनारायण ओझा,अरविंद वर्मा,ओम प्रकाश सेन, ओम प्रकाश शर्मा सहित कई शिक्षक शामिल हुए ।

निजी अस्पताल में ऑपरेशन के दौरान प्रसूता की मौत

द मूवमेंट ऑफ इंडिया

राजकुमार सैन

धौलपुर शहर के कोतवाली थाने के अंतर्गत देर रात हुई घटना में प्रसूता की मौत का मामला सामने आया है। परिजनों ने अस्पताल प्रबंधन पर ऑपरेशन के दौरान गलत नस काटने का आरोप लगाया है।

बताया जा रहा है कि एक माह में दूसरी प्रसूता की मौत का मामला सामने आया है।

मिली जानकारी के अनुसार हरि सिंह का पूरा थाना नादनपुर की निवासी मृतक प्रसूता सपना के पति बचन सिंह द्वारा पुलिस अधीक्षक को दी गई जानकारी के अनुसार वह अपनी पत्नी की डिलीवरी के लिए बाड़ी अस्पताल गया था। वहां से उसकी पत्नी को धौलपुर रेफर कर दिया था।

बचन सिंह ने बताया कि इस दौरान एम्बुलेंस ड्राइवर ने परिजनों को गुमराह करते हुए रात के समय प्रसूता को शहर के मेट्रो निजी अस्पताल में भर्ती करा दिया। अस्पताल प्रबंधन ने परिजनों से 25 हजार रुपए मांगे। परिजनों ने 18 हजार रुपए जमा करा दिए।

परिजनों का आरोप है कि ऑपरेशन के दौरान डॉक्टर ने प्रसूता की गलत नस काट दी।

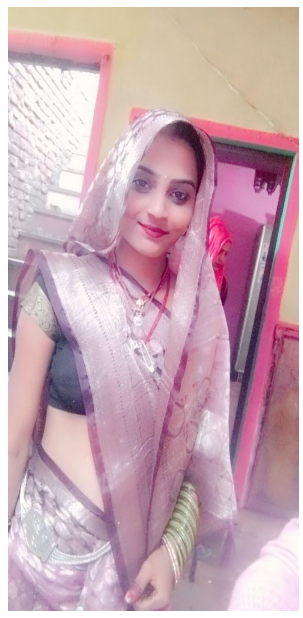

इससे प्रसूता की तबीयत बिगड़ गई। डॉक्टर ने प्रसूता को इलाज के लिए आगरा रेफर कर दिया। लेकिन रास्ते में ही उसने दम तोड़ दिया।

डॉक्टर पर परिजनों को दो लाख रुपए देने की कोशिश का आरोप

परिजनों ने आरोप लगाया कि घटना के बाद डॉक्टर ने मामले की रिपोर्ट न करने के लिए उन्हें 2 लाख रुपए देने की कोशिश की, लेकिन उन्होंने रुपए लेने से इनकार कर दिया।

परिजनों ने कोतवाली थाने में अस्पताल प्रबंधन पर लापरवाही का आरोप लगाते हुए कार्रवाई की मांग की है।

श्रद्धा के साथ भक्ति नहीं होगी तो परमात्मा से नहीं होगा मिलन - धैर्य मुनि

आसींद (सोनी) इंसान को भगवान से सीधा संबंध स्थापित करना है तो द्रव्य भक्ति और भाव भक्ति करनी होगी। विचारो में स्थिरता नहीं होने से भाव भक्ति नहीं हो पाती है। भक्ति में अपार शक्ति विद्यमान है। हम एकाग्रचित होकर परमात्मा की भक्ति नहीं करेंगे तब तक परमात्मा से मिलन नहीं होगा और हम चारों और भटकते रहेंगे। भक्ति तीन प्रकार से की जा सकती है पत्थर की तरह,पुतली की तरह, मिश्री की तरह। हमे मिश्री की तरह भक्ति करनी है तभी भगवान मिल सकते है। उक्त विचार नवदीक्षित संत धैर्य मुनि ने महावीर भवन में आयोजित धर्मसभा में व्यक्त किए।

इस अवसर पर प्रवर्तिनी डॉ दर्शन लता ने कहा कि पृथ्वी पर तीन प्रकार के आभूषण है।

पहला धनवान होकर भी नम्रता हो, दूसरा तपस्वी होकर क्षमावान हो ,तीसरा ज्ञानी होकर सरल हो। जिसमें यह तीनों गुण है वह व्यक्ति उत्तम पुरुष है। आज के युग में संयुक्त परिवार का अभाव है जिसके कारण कई प्रकार की समस्याओं का सामना करना पड़ता है।

साध्वी प्रज्ञालता ने कहा कि हम जानते सब कुछ है लेकिन उसको आचरण में नहीं लाते है।जब तक आचरण में नहीं लाएंगे तब तक हमारे जीवन में परिवर्तन नहीं आ पायेगा। परिवर्तन नहीं आएगा तो मोक्ष में जाने का सपना अधूरा ही रह जाएगा।

दुनिया के इन जादुई झरनों को देखकर बन जाएगा आपका दिन, छूमंतर होगा सारा स्ट्रेस

दुनिया भर में प्राकृतिक सुंदरता का एक अनोखा अनुभव झरनों में देखने को मिलता है। ऊंचाई से गिरने हुए पानी का नजारा काफी मनमोहक होता है। ऊंचाई से गिरने हुए पानी का नजारा देखना लोगों के मन को सुकून पहुंचाने के साथ रोमांच का अनुभव कराता है। बता दें कि दुनिया में कई ऐसे झरने हैं, जिनकी ऊंचाई और सुंदरता उनको खास बनाती है। इन झरनों की ऊंचाई सुनकर कोई भी चौंक जाएगा, वहीं इनकी सुंदरता भी उतनी ही सुकूनदायक है।

पहाड़ों, गहरी घाटियों और हरियाली बीच बहते हुए यह झरने प्राकृतिक कला का अनूठा और अद्वितीय उदाहरण है। अगर आप भी प्रकृति प्रेमी है और घूमने के भी शौकीन हैं, तो आपको दुनिया के सबसे ऊंचे और खूबसूरत झरनों का दीदार करना चाहिए। ऐसे में आज इस आर्टिकल के जरिए हम आपको दुनिया के कुछ सबसे ऊंचे और खूबसूरत झरनों के बारे में बताने जा रहे हैं।

एंजेल फॉल्स , वेनेजुएला

वेनेजुएला दक्षिणी अमेरिकी महाद्वीप पर एक देश है। जहां पर एंजेल फॉल्स बहता है। वेनेजुएला का यह एंजेल फॉल्स दुनिया का सबसे ऊंचा झरना है। जोकि वेनेजुएला के केनैमा नेशनल पार्क में स्थित है। इस झरने की धारा इतनी ऊंचाई से गिरती है कि पानी नीचे तक पहुंचते-पहुंचते बारीक-बारीक बूंदों में बदल जाता है।

टुगेला फॉल्स, दक्षिण अफ्रीका

दक्षिण अफ्रीका में मौजूद टुगेला फॉल्स की ऊंचाई 3,110 फीट है। बारिश के मौसम में यहां का नजारा देखने लायक है। यह रॉयल नेटल नेशनल पार्क के ड्रेकेन्सबर्ग माउंटेन्स पर स्थित है।

थ्री सिस्टर्स फॉल्स, पेरू

पेरू एक बेहद खूबसूरत जगह है, जहां पर आपको थ्री सिस्टर्स फॉल्स नाम का शानदार जलप्रपात देखने को मिलेगा। यह अमेजन जंगल के बीच स्थित है और तीन स्तरों में बहता है। इसी वजह से इसका नाम %थ्री सिस्टर्स% पड़ा। ट्रैकिंग और रोमांच पसंद करने वालों के लिए यह जगह जन्नत से कम नहीं है।

ओलूपेना फॉल्स, हवाई

संयुक्त राज्य अमेरिका के हवाई में करीब 900 मीटर की ऊंचाई पर ओलूपेना फॉल्स है। ओलूपेना फॉल्स सीधे समंदर से लगती चट्टानों से गिरता है और सिर्फ बोट या हेलिकॉप्टर से ही देखा जा सकता है।

युंबिला फॉल्स, पेरू

बता दें कि युबिला फॉल्स सबसे ऊंचे झरनों में शामिल है, यह पेरू में है। हाल ही में खोज में यह झरना पाया गया है। जोकि पेरू के घने जंगलों में छिपा है और अब धीरे-धीरे फेमस हो रहा है। यहां पर आपको चारों ओर मनमोहक नजारा देखने को मिलेगा।

श्रीनगर सिर्फ एक शहर नहीं, एक ऐसा अनुभव जो आपकी रूह को छू जाए!

भारत के जम्मू और कश्मीर राज्य की ग्रीष्मकालीन राजधानी श्रीनगर को धरती का स्वर्ग यूं ही नहीं कहा जाता। हरे-भरे बाग़, बर्फ से ढकी पहाड़ियाँ, शांत झीलें और समृद्ध सांस्कृतिक विरासत श्रीनगर को न केवल भारत में बल्कि पूरे विश्व में एक अनूठा पर्यटन स्थल बनाते हैं।

प्राकृतिक सौंदर्य और झीलों का शहर

श्रीनगर की सबसे प्रसिद्ध पहचान डल झील है। इसमें हाउसबोट पर रहने का अनुभव जीवन भर याद रहता है। शिकारा की सवारी करते हुए झील के शांत पानी पर तैरते बाजार, कमल के फूल और आसपास के हिमालयी नज़ारे किसी स्वप्न से कम नहीं लगते। नगीन झील भी पर्यटकों के बीच लोकप्रिय है, विशेष रूप से उन लोगों के लिए जो शांति और एकांत की तलाश में होते हैं।

बाग-बग़ीचों की सौग़ात

मुग़ल बादशाहों ने श्रीनगर में कई खूबसूरत बाग़ बनवाए, जिनमें प्रमुख हैं:

शालीमार बाग़

निशात बाग़

चश्म-ए-शाही

ये बाग़ झेलम नदी के किनारे स्थित हैं और यहाँ से झील व पर्वतों का दृश्य अत्यंत मनोरम दिखाई देता है।

धार्मिक और सांस्कृतिक स्थल

श्रीनगर में कई ऐतिहासिक मस्जिदें और मंदिर हैं। इनमें प्रमुख हैं:

हज़रतबल दरगाह- जहाँ पैगंबर मोहम्मद का एक पवित्र अवशेष रखा गया है।

शंकराचार्य मंदिर- जो एक पहाड़ी पर स्थित है और वहाँ से श्रीनगर का विहंगम दृश्य दिखाई देता है।

जामा मस्जिद- पुरानी कश्मीर वास्तुकला का अद्भुत उदाहरण।

स्थानीय बाज़ार और हस्तशिल्प

श्रीनगर के बाज़ारों में कश्मीरी कालीन, पश्मीना शॉल, लकड़ी की नक़्क़ाशी और कागज़ी माछे की कला खरीदने लायक होती है। लाल चौक, बादशाह चौक और रेजिडेंसी रोड मुख्य शॉपिंग स्थान हैं।

खानपान की विशेषता - कश्मीरी व्यंजन विश्वविख्यात हैं। रोगनजोश, यखनी, दुम आलू, और गुस्ताबा जैसे व्यंजन स्वादिष्ट और मसालेदार होते हैं। चाय प्रेमियों को कहवा जरूर आज़माना चाहिए - यह केसर और सूखे मेवों से बना एक पारंपरिक पेय है।

पर्यटन के लिए उपयुक्त समय

श्रीनगर जाने का सबसे अच्छा समय मई से अक्टूबर के बीच होता है, जब मौसम सुहावना रहता है। बर्फ़बारी का आनंद लेना हो तो दिसंबर से फरवरी का समय उपयुक्त है।

श्रीनगर केवल एक शहर नहीं, बल्कि एक अनुभव है- जहाँ हर मोड़ पर प्रकृति, संस्कृति और शांति एक साथ मिलती हैं। यदि आप प्राकृतिक सौंदर्य, ऐतिहासिक विरासत और मेहमाननवाज़ी का मिश्रण चाहते हैं, तो श्रीनगर आपकी अगली यात्रा सूची में अवश्य होना चाहिए।

मांडू पर्यटनः प्रेम, वास्तुकला और इतिहास की अद्भुत नगरी

मध्य प्रदेश के धार जिले में स्थित मांडू जिसे मांडवगढ़ या शादीशुदा पत्थरों का शहर भी कहा जाता है, भारतीय पर्यटन मानचित्र पर एक अनूठा और ऐतिहासिक स्थल है। पहाड़ियों पर बसा यह नगर न केवल स्थापत्य कला और प्राचीन स्मारकों के लिए प्रसिद्ध है, बल्कि रानी रूपमती और बाज बहादुर की अमर प्रेम कहानी के लिए भी मशहूर है। मांडू की हवाओं में इतिहास की गूंज, प्रेम की सरगम और स्थापत्य का सौंदर्य साथ-साथ बहता है।

मांडू का ऐतिहासिक परिचय

मांडू का इतिहास लगभग 6वीं शताब्दी से जुड़ा हुआ है, लेकिन इसका स्वर्ण युग मालवा सल्तनत (15वीं सदी) के दौरान आया। इस दौरान यहाँ कई भव्य महलों, मस्जिदों, बावड़ियों और दरवाजों का निर्माण हुआ। मांडू की भौगोलिक स्थिति— विंध्याचल की पहाड़ियों पर और नर्मदा घाटी के किनारे— इसे एक स्वाभाविक किला बनाती है।

मांडू के प्रमुख दर्शनीय स्थल

1. जहाज महल

यह महल दो झीलों— कपूर तालाब और मुंज तालाब— के बीच स्थित है, जिससे यह एक जहाज की तरह प्रतीत होता है। इसका निर्माण 15वीं सदी में सुल्तान गियासुद्दीन खिलजी ने अपनी 15,000 रानियों के लिए करवाया था। रात्रि में इसका प्रतिबिंब जल में झलकता है, जो एक अद्भुत दृश्य प्रस्तुत करता है।

2. हिंदोला महल

हिंदोला (झूला) महल अपनी झुकी हुई दीवारों के कारण प्रसिद्ध है। इसका उपयोग दरबारी सभाओं के लिए किया जाता था। इसकी स्थापत्य शैली वास्तुकला के चमत्कारों में गिनी जाती है।

3. रूपमती महल

यह वह स्थान है जहाँ से रानी रूपमती नर्मदा नदी को निहारती थीं। यह प्रेम कहानी का सबसे भावनात्मक स्थल है, जहाँ से मांडू की घाटी और नर्मदा के दर्शन होते हैं।

4. बाज बहादुर महल

यह महल मांडू के अंतिम स्वतंत्र शासक बाज बहादुर का निवास था। इसकी वास्तुकला में राजपूत और मुस्लिम शैलियों का संगम देखने को मिलता है।

5. जामा मस्जिद

यह मस्जिद दिल्ली की जामा मस्जिद से प्रेरित है और मांडू के स्थापत्य वैभव को दर्शाती है। इसके विशाल प्रांगण और सुंदर मेहराबें इसकी विशेषता हैं।

6. रेवा कुंड

यह पवित्र कुंड नर्मदा नदी को समर्पित है और माना जाता है कि रूपमती इसी से जल ग्रहण करती थीं।

मांडू उत्सव

प्रत्येक वर्ष दिसंबर-जनवरी के महीने में मांडू उत्सव का आयोजन होता है, जिसमें स्थानीय लोक-संगीत, नृत्य, कला प्रदर्शन, साइकिल टूर और हॉट एयर बलून जैसी गतिविधियाँ होती हैं। यह उत्सव मांडू को जीवंत रूप देता है।

कैसे पहुँचे?

निकटतम हवाई अड्डा : इंदौर (लगभग 100 किमी)

रेलवे स्टेशन : इंदौर और रतलाम दोनों से सड़क मार्ग उपलब्ध

सड़क मार्ग: इंदौर, धार और महेश्वर से मांडू के लिए बसें और टैक्सियाँ आसानी से मिलती हैं

ठहरने की व्यवस्था

मांडू में मध्य प्रदेश पर्यटन विभाग द्वारा संचालित होटल और कुछ निजी रिसॉर्ट्स उपलब्ध हैं। प्राकृतिक सुंदरता के बीच रुकना अपने आप में एक अद्वितीय अनुभव होता है।

यात्रा का सर्वोत्तम समय

अक्टूबर से मार्च के बीच मांडू घूमने के लिए सबसे उपयुक्त समय होता है। खासकर मानसून के बाद (जुलाई-सितंबर) मांडू की हरियाली और झीलें इसे और भी सुंदर बना देती हैं।

मांडू केवल एक ऐतिहासिक नगर नहीं, बल्कि एक जीवित कथा है— प्रेम, कला और संस्कृति की। यहाँ की हवाएं रूपमती के सुरों को, दीवारें बाज बहादुर के प्रेम को और झीलें बीते समय की परछाइयों को संजोए हुए हैं। यदि आप एक शांत, सुंदर और ऐतिहासिक स्थल की यात्रा की योजना बना रहे हैं, तो मांडू अवश्य आपकी सूची में होना चाहिए।

मानसून में इन जगहों पर पास से महसूस कर पाएंगे प्रकृति की खूबसूरती

मानसून का मौसम आते ही बारिश की बूंदे पर धरती पर पड़ती हैं, तो प्रकृति अपनी खूबसूरती के चरम पर पहुंच जाती है। बारिश के मौसम में भारत के कुछ स्थलों पर अद्भुत नजारे देखने को मिलते हैं। हरे-भरे जंगल, पहाड़ों से गिरते झरने, घनघोर बादलों से ढकी घाटियां और ठंडी हवाएं मन को सुकून देने का काम करती हैं। बारिश आपको प्रकृति से जुड़ने का मौका देती है। इस मौसम में घूमना और प्रकृति की खूबसूरती को महसूस करना आपको एक अलग एक्सपीरियंस दे सकता है।

इस मानसून में आप एक छोटा सा ब्रेक लेकर भीगती वादियों की सैर पर निकल जाएं। फिर चाहे वह फैमिली आउटिंग, सोलो एडवेंचर या रोमांटिक ट्रिप हो। भारत की कुछ जगहें मानसून में आपके अनुभव को यागदार बना देंगी। ऐसे में अगर आप भी बारिश में घूमने का प्लान बना रहे हैं, तो भारत की इन जगहों को आपकी ट्रैवल लिस्ट में जरूर शामिल करें।

महाबलेश्वर, महाराष्ट्र

महाराष्ट्र के महाबलेश्वर हिल स्टेशन की खूबसूरती मानसून में देखने लायक होती है। यहां के हरे-भरे पहाड़, शानदार घाटियां और स्ट्रॉबेरी फार्म काफी लोकप्रिय हैं। मानसून में बादलों से ढके रास्ते और बहते हुए झरने इस जगह की सुंदरता को बढ़ा देते हैं। आप यहां पर वेन्ना लेक, आर्थर सीट और प्रतापगढ़ किला घूम सकते हैं।

लोनावला-खंडाला, महाराष्ट्र

मुंबई और पुणे के पास स्थिति लोनावला और खंडाला हिल स्टेशन बेहद खूबसूरत नजर आता है। यह जगह मानसून में हरियाली से ढक जाता है। झरने, ट्रेकिंग और खूबसूरत घाटियों के लिए यह मौसम बेस्ट है। अगर आप खंडाला और लोनावला घूमने का प्लान बना रहे हैं, तो कुछ जगहें आकर्षण का केंद्र रहती हैं। आप यहां पर टाइगर पॉइंट, भुशी डैम और राजमाची किले को एक्सप्लोर करें।

अलेप्पी, केरल

अगर आप भी मानसून में बैकवॉटर का अनुभव और हाउसबोट की अनोखी सैर करना चाहते हैं, तो आपको केरल के अलेप्पी की ट्रिप प्लान कर सकते हैं। बारिश की फुहारों के साथ शांत जल में हाउस बोट पर तैरते रहना आपको एक अलौकिक अनुभव देगा।

मुन्नार, केरल

केरल का मुन्नार चाय के बागानों के लिए काफी ज्यादा फेमस है। बारिश में इन्हीं चाय के बागानों की हरियाली दोगुनी हो जाती है और यह काफी खूबसूरत नजर आती है। यहां पर बादलों से घिरे पहाड़ और शांत झीलें मनमोहक अनुभव कराती हैं। मानसून में मुन्नार एक फोटो परफेक्ट हिल स्टेशन बन जाता है। यहां पर आप एराविकुलम नेशनल पार्क और मट्टुपेट्टी डैम आदि को एक्सप्लोर कर सकती हैं।

चेरापूंजी, मेघालय

दुनिया में सबसे अधिक बारिश वाले स्थानों में से एक मेघालय का चेरापूंजी है। यहां पर मानसून में सबसे ज्यादा बारिश होती है। लेकिन मानसून में चेरापूंजी का आकर्षण कई गुना बढ़ जाता है। यहां पर झरने, बारिश और लिविंग रूटब्रिज इस जगह को खास बनाती हैं। अगर आप मानसून में चेरापूंजी की यात्रा करने का प्लान कर रहे हैं, तो आपको सेवन सिस्टर्स फॉल्स और नोक्रेक बायोस्फीयर रिजर्व जरूरे एक्सप्लोर करना चाहिए।

स्वत्वाधिकारी प्रकाशक दयाराम दिव्य द्वारा मुद्रक वेदांत प्रभाकर, मेधा कम्प्यूटर्स एंड ऑफसेट प्रिंटर्स, ऑफिस नं. 128, वार्ड नं. 25, नंदभवन कांवाखेड़ा पार्क के पास, भीलवाड़ा 311001 (राज.) से मुद्रित एवं एस-20, प्रतापनगर, भीलवाड़ा (राज.) से प्रकाशित। संपादक दयाराम दिव्य 96949 57624, 87695 58132 * PRB एक्ट के तहत ख़बरों के चयन के लिए उत्तरदायी। सभी विवादों का न्यायिक क्षेत्र भीलवाड़ा होगा